

# प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

**ti• q]** No.**q**j नई बिल्लो, शनिवार, मार्च 7, 1981/फाल्गुम 16, 1902

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 7, 1981/PHALGUNA 16, 1902

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप के रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> माग H—चण्ड 3—उप-खण्ड (iii) Part II—Sec. 3—Sub-Sec. (iii)

(संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़ कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए आवेश और अधिसूचनाएं Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

# भारत निर्वाचन आयोग आवेज

नई विल्ली, 27 जनवरी, 1981

का. आ: 793.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 175-सियाना (अ. जा.) निर्वाचन क्षेत्र से बुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हंसाराम, ग्राम मोकल-सर, तहसील-सिवाना, जिला बाड़मेर (राजस्थान) लोक प्रति-निधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों स्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कःए अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचिस्य नहीं है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्द्वारा उक्त श्री हंसाराम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथया विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राह्त शोषित करता है।

[सं. राज-वि.स./175/80(2)]

#### ELECTION COMMISSION OF INDIA ORDERS

New Delhi, the 27th January, 1981

S.O. 793.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hansaram, Village—Mokalsar, Tehsil—Siwana, District—Barmer, Rajasthan a contesting candidates for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 175-Siwana (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reasons or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hansaram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of A State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/175/80(2)]

नई दिल्ली., 31 जनवरी, 1981

का. आ. 794.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए विधान सभा को लिए साधारण निर्वाचन के लिए 134-सरमा निर्वाचन-क्षेत्र से घुनाव सड़ने वाले उम्मीदवार श्री परमार ननभा सरदार सिंह लोक प्रतिनिधित्व अभिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों व्वारा अपे-क्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीक्शर ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य महीं है।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्धाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री परमार ननभा सरवार सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिहिंद शोधित करता है।

[सं. गज-यि.स./134/80(26)]

## New Delhi, the 31st January, 1981

S.O. 794.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Parmar Nanbha Sardarsing, Talati Faliya in Iswargir Bava's Matha at Napad Talpad Taluka Anard, District, Kaira (Guiarat) a contesting candidate for general election to the Guiarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 134-Sarsa Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Parmar Nanbha Sardarsing to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/134/80(26)]

#### नई दिल्ली, 4 फर्चरी, 1981

का. या. 795 — यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 198-मकराना निर्वाचन के शे जनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ओमप्रकाश, हरीयाजून याया कुना-मनसीटी (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा हन्द्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेकित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्याचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 10क के अन्गरण मा निर्वाचन आयोग एत्य्व्वारा उक्त श्री ओमप्रकाश को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषय् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीम वर्ष की कालाविध के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं. राज-वि.स./196/80(3)]

#### New Delhi the 4th February, 1981

9.0. 795.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Omprakash, Hariyajune Via Kuchamancity (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 196-Makrana constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Omprakash to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. RJ-LA/196/80(3)]

का. आ. 796. —यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 196-मकरान निर्वाचन-क्षेत्र सं चनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सीवां राम, ग्राम गाणवा, तह-सील परवतसर, जिला नागौर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधिस्य व्यक्तियम, 1951 तथा सद्धीन वनाए गए नियमों द्वारा अपे- क्षित अपने निर्याचन व्ययों का कोई भी लेसा दासिल करने में अस्कल रहे हैं;

और यतः, अक्त उम्मीदवार में, सम्यक सूचना दिए जामे पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अन्सरण में निर्वाणन आयोग एतष्ष्यारा उक्त श्री खीवां राम को संस्थ के किसीं भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अधिका विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की का लाविध के लिए निरिह्त घोषित करता है।

[सं. राज-वि. स./196/80(4)]

S.O. 796.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Khinwaram, Villago—Manwa, Tehsil—Parbatsar, District Nagaur (Rajarthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 196-Makrana constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said can lidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason of justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Khinwaram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/196/80(4)]

का भा गाम निर्माण निर्माण का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्माणन के लिए 200-मूण्डवा निर्माणन-क्षेत्र से जूनाय

लड़ने बाले उम्मीदवार श्री मौजीराम सोलंकी, बास जेड़का, पोस्ट चैनार, जिला नागीर (राजस्थान), लोक प्रतिनिधिस्त अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दास्ति करने में उसफल रहे हैं।

और यत:, उन्नत उम्मीदनार में, सम्यक् सृचना दिए जाने पर भी, इस अमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्धाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अन्सरण में नियांचन आयोग एतद्वारा उक्त की मौजीराम सीलंकी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान गरिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख में नीन वर्ष की काराविध के लिए निरहित भोटित करता है।

[सं. राज-दि.स./200/30(5)]

S.O. 797.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Maujiram Solanki, Bas Jaidka, Post Chainar. District Nagaur (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 200-Mundwa constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Maujiram Solanki to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/200/80(5)]

का था 798.—यस:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए र जस्थान विधान सभा के लिए काधारण निर्वाचन के लिए 197-परवत्तसर (अ. जा) निर्वाचन केश्रेश्र से जूनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री श्रीराम, वालरी मोहल्ला, परवत्तमर, जिला नागीर (राजस्थान) लोक प्रति-विधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों दुगारा अपिक्त अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदशार ने, सम्यक्ष्य स्थना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास हम असफलता के लिए गोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अवः, उयत अितियस की धारा 10क के अनसरण में निर्वाधन आयोग एट दुझरा उश्रत श्रीराम को संसद के किसी भी रूदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा चिधान परिषद के सदस्य चने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीस से मीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिष्ट्रिंस घोषिस करता है।

[सं. राज-वि.स./197/80(6)]

S.O. 798.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shreeram, Bawari Mohalla, Parbatsar, District Nagaur, (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 197-Parbatsar (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shreeram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/197/80(6)]

# नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1981

का. आ. 799.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए, विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 28-एमजोधपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री त्रिवेदी किशोर कुमार प्रताप भाई लोक प्रतिगिधत्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्याचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यकः सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्यप्ति कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अवः, उद्या अधिनियम की धारा 10-क के अगुसरण में गिर्वाधन आयोग एतब्द्वारा उक्त श्री त्रिवेदी किशोर क्मार प्रताप भाई को संसद के किसो भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अधवा विधान परिषद् के सदस्य जूने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की, कालाविध के लिए निर्शिहत घोषित करता है।

[सं. गुज.-वि. स./23/80 (28)]

#### New Delhi, the 5th February, 1981

S.O. 799.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Trivedi Kishorkumar Prataphhal, Bavavad, Near Pavanchakki, Jamnagar (Gujarat) a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 28-Jamjodhpur Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Trivedi Kishorkumar Prataphhai to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State or a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/28/80(28)]

under:

# नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1981

का भा 800 -- यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए, विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 130-महधा निर्वाचन क्षेत्र से भनाव लडने वाले उम्मीदवार श्री पठान छोटेखान विसमिल स्तान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन दनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्मक् सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतदुबारा उक्त श्री पठान छोटेखान बिस-मिल हान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य घुने जाने और होने के लिए इस आवेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. गुजा.-वि. स/130/80 (29)]

#### New Delhi, the 9th February, 1981

SO. 800.-Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Pathan Chhotekhan Bismilakhan, Pathanwada, Mahudha, Taluka Nadiad, Kaira District (Gujarat) a con-Mahudha, Ialuka Nadiad, Kaira District (Gujarat) a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in Mray, 1980 from 130-Mahudha Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shii Pathan Chhotekhan Bismilakhan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/130/80(29)]

# नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1981

का. भा. 801. - यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए, राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 150-भीम निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्भीदयार श्री रोशन लाल पुत्र श्री जवाहर मल, भीम जिला उदयपुर, (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्यीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन ध्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं:

ं और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलप्ता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन अग्योग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है।

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनसरण में निर्वाचन आयोग एतद्दारा उक्त श्री रोशन लाल को संसद् को किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा दिधान परिषद् के सवास्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्निष्ठत घोषित करता है।

[सं. राज - वि. सं. /150/80 (7)]

New Delhi, the 10th February, 1981 S.O. 801.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Roshan Lal S/o Shri Jawaharmal, Bhim, District Udaipur (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 150-Bhim Constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made there-

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Roshan Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/150/80(7)]

का. आ. 802.—यस:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए, राजस्थान विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 195-नांवा निर्वाचन क्षेत्र से चनाव लडने वाले अम्मीयवार श्री हीरा राम. ग्राम नालोट. तहसील नावा, जिला नागौर, (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्यीन बनाए गए नियमों ब्रारा अपंक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दास्त्रिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे मम्यक् सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है और निर्वाचन आयोग का यह भी ममाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है।

अतः अग, उक्त अधिनियम् की धारा 10-क के अनिसरण मों निर्वाचन आयोग एनवृद्धारा उक्त श्री हीरा राम की संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य गुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीस से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिहत घोषित करता है।

[सं. राज.-वि. स./195/80 (8)]

S.O. 802.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hira Ram, Village-Nalot, Tehsil-Nawan, District-Nagaur (Rajasthan), a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 195-Nawan constituency, has failed to lodge appropriate the election connected by the Representations of his election connected by the Representation connected by the Representation of the Rajasthan connected by the Representation of the Rajasthan connected by the Rajasthan connected b account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder :

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shri Hira Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/195/80(8)]

का आ 803. — यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए, लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 22 जालोर (अ. जा.) निर्वाचन के ले उम्मीवयार श्री मणी लाल, भ्राम खालरथाड़ा, तहमील—पिण्डवाड़ा, जिला सिरोही, (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपिक्त अपने निर्वाचन व्ययों का कीई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक्ष् सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस अमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्माणन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्यापा कारण या न्यायौचित्य नहीं है।

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अन्सरण में निर्वाचन आयोग एतद्क्षारा उक्त श्री मणी लाल को संसद के किमी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अधवा विधान परिषद् के सदस्य च्ने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्शिहत घोषित करता है।

[मं. राज.-लो.स./22/80 (18)]

S.O. 803.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mani Lal, Village-Khakharware, Tehsil-Pindwara, District-Sirohi (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the House of People held in January, 1980 from 22-Jalore (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mani Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-HP/22/80(18)]

का शा 804 — यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए, विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 135-पठलाड निर्वाचन-क्षेत्र से चेनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रजनीकांत माहीजी भाई पटेल, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीम बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्ति अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा साखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीववार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाभान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है। अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री रजनीकांत मांहीजी पटेल को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की दिधान सभा अथवा विधान परिषष् के सदस्य चूने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिह्त घोषित करता है।

> सिं. गुज.-वि. स./135/80 (30)] आदेश से, सी. एल. रोज, अवर मिखव

> > भारत निर्वाचन आयोग

S.O. 804.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rajnikant Mahijibhai Patel, Nar. Taluka Patlad, Malay, Bhagol, District Kaira (Gujarat) a contesting candidate for general election to the Gujarat Legislative Assembly held in May, 1980 from 135-Patlad Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act. the Election Commission hereby declares the said Shri Rajnikant Mahijibhai Patel to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/135/80(30)]

By order,
C. L. ROSE, Under Secy.

Election Commission of India

## आवेश

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1981

का. आ. 805.—यत:, निर्वाधन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए जिहार निधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 23-मोरगंज निर्वाचन केंद्र में चुनाव नड़ने वाले उम्मीदवार श्री जनन्दन कुआर, ग्राम मंजीरवा खर्द, पो. मिशारवतराहा, जिला गोपालगंज लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए एए नियमों द्वारा अपेशित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् स्पना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा माष्टीकरण नहीं विया है और निर्वाचन आयोग का यह ममाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए बोई पर्याप्त कारण या न्यायौषित्य नहीं हैं;

अतः अस, उक्त अधिनियमं की धारा 10-कं के अन्सरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री जनन्दन ध्वार की मंसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चने जाने और होने के लिए इस आयेश की नारीखं से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दिह्त घोषित करता है।

[मं. बिहार-वि. स. /23/80 (8)]

#### **ORDERS**

#### New Delhi, the 28th January, 1981

S.O. 805.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Janandan Kuar, Vill. Majeerwakhurd, P.O. Mi'hirbatarha, Dist. Gopalganj a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980, from 23-Mirganj constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Janandan Kuur to be disqualified for being cho en as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/23/80(8)]

का. आ. 806.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए दिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 28-मीरगंज निर्वाचन क्षेत्र से चूनाव लड़ने वाले उम्मीदबार श्री शत्र्चन राय उर्फ शत्र्चन देश, ग्राम डोडांपुर, पो. दथवा, जिला गोपालगंज लोक प्रतिनि-धित्व अधिनियम, 1951 तथा तक्षीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाधन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्यापा कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्धाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री शश्चम राय उर्फ शत्रुमन देव को संमव् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चूने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्िह्त घोषित करता है।

[सं. विहार-वि. स. /23/80 (७)]

S.C. 806.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shatrughan Rai Allas Shatrughan Dave, vill. Dondapur. P.O. Hathwa, Distt. Gopalganj a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980, from 23-Mirganj constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shii Shatrughan Rai Alias Shatrughan Dave to be disqualifted for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/23/80(9)]

## नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1981

का. आ. 807.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए विहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 254-बाराचट्टी (अ. जा.) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शंकर राम, मानपुर कुम्हारटोली, पो. प्रनियादगंज, श्राना मीफसिल, जिला यहा (विहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाष्ट्रिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदयार ने, सम्यका सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्माचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफनता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्याथीचिन्य नहीं है;

अतः अत्र, उक्त अभिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्दारा उक्त श्री शंकर राय को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिष्यु के सदस्य ख्ने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहत घोषित करता है।

[सं. बिहार-बि. स./254/80 (10)]

## New Delhi, the 31st January, 1981

S.O. 807.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shanker Ram, Manpur Kumhartoll, PO. Buniadgani, P.S. Mosfassil, District Gaya a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980, from 254-Barachatty constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shanker Ram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-I A/254/80(10)]

का. आ. 898.—यतः, निर्वाधन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए किहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 230-भध्या निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री महाबली सिंह, ग्राम खिरी, पो. भगवान पुर, रोहताश (बिहार) लोक प्रतिगिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेकित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीवशार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अन्सरण में निर्वाचन आयोग एतव्हारा उक्त श्री महाबली सिंह को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चूने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर-हित घोषित करता है।

[सं. विहार-वि. सं./230/80 (11)]

S.O. 808.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mahabali Singh, Vill. Khiri, P.O. Bhagwanpur, Dist. Rohtas, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 230-Bhabua assembly constituency, held in May, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that be has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mahabali Singh, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-J.A/230/80(11)]

का आ 809 — यतः, निर्वाचन आयोग का समाधात हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए माधारण निर्वाचन के लिए 44-चतरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले अम्मीववार श्री चल्द्र भूगण सिंह-ग्राम दोसत, पो ममहरीगढ़, थाना वरसालीगंज, नवाबा लोक प्रतिनिधिस्य अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन क्नाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उनत उम्मीदवार ने, सम्यक् सृषना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथया स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफनता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

असः अव, उक्त अधिनयम की धारा 10-क के अनुसारण में निवासन आयोग एतद्वारा उक्त श्री चन्द्र भूषण सिंह को किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारील से नीन वर्ष की कालायिध के निए निर्देशित घोषित करता है।

[मं: षिष्ठार-लो: स:/44/80 (14)]

S.O. 809.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chandra Bhushan Singh, Vill. Dosat, P.O. Samhrigarh, P. S. Warsaliganj, Nawada a contesting candidate for general election to the Lok Sabha held in January, 1980 from 44-Chatra con-tituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chandra Bhushan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/44/80(14)]

# नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1981

खर. आ. 810.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि सई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 252-गुरुआ निर्वाचन क्षेत्र से धूनाव लड़ने वाले उम्मीददार श्री जयनारायण सिंह, ग्राम व पो घटेरा, जिला गया (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपंक्षित अपने निर्वाचन ध्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे हैं।;

और यतः, उक्त उम्मीद्यार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री जयनारायण सिंह को सेम् के िकसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथगा विधान परिषद् के सदस्य चूने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर-हित घोषित करता है।

[सं. बिहार-वि. स./252/80 (12)]

#### New Delhi, the 2nd February, 1981

S.O. 810.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jainarayan Singh, Vill, & P.O. Ghatera District Gaya (Bihar) a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980, from 252-Gurua Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules' made thereunder.

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jainarayan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/252/80(12)]

थतः आ. 811 — यतः, निर्धाचन आयोग का समा-भाग हो गया है कि मई, 1980 में द्वए विहार विभान सभा के लिए साभारण निर्वाचन के लिए 252-गृतका निर्धाचन क्षेत्र से चनाव लड़ने वाले उम्मीदिशार श्री रामपती सिंह, ग्राम अहमद-प्र, भो. गराव मिल्स, थाना प्रया, जिला गया (विहार) लोक प्रतिनिधित्व अभिनियम, 1951 तथा सब्धीन बनाए गए नियमों हारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाण्य करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीवधार ने, सम्यक्त् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ेशतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्माचन अयोग एसद्द्वारा उक्त श्री रामपती सिंह को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अर्थवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के सिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर-हिंत घोषित करता है।

[सं. बिहार-वि. स./252/80 (13)

आयेश से,

सतीश चन्द्र जैन, अयर सचिव

S.O. 811. Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rampati Singh, Village Mahmadpur, P.O. Guraru Mills, P.S. Paraiya, District Gaya a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 252-Gurua Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrl Rampati Singh to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/252/80(13)]

By order,

S. C. JAIN, Under Secy.

## नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1981

का . बा. 812. — यत: , निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए तमिलनाडू विधान समा के लिए साधारण/निर्वाचन के लिए 202-कडालाडी निर्वाचन-क्षेत्र में च्नाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री टी. एस. सी. अब्दुल कादरि, 101, ए/6, मेलाथेर, कीलाकराई, ग्रामानाथापुरम तालुक, जिला रामानाथापुरम, तमिलनाडू, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तव्धीन दमाए गए नियमों व्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यत:, उक्षत उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथघा स्पष्टी- करण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के निए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अन्सरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री टी. एस. सी. अब्दुल कादीर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारील से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित चोषित करता है।

[सं. त. भा-वि. स./202/80 (63)]

New Delhi, the 4th February, 1981

S.O. 812.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri T.S.C. Abdul Cadir, 101, A/6, Melatheru, Keelakarai, Ramanathapuram Taluk, Ramanathapuram District, Tamil Nadu a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 202-Kadaladi constituency, has failed to lodge an account of

his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the raid Act, the Election Commission hereby declares the said Shri T S. C. Abdul Cadir to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Council of a State for a period of three years form the date of this order.

[No. TN-LA/202/80(63)]

## नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1981

का. आ. 813.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि. मई, 1980 में हुए तिमलनाडू विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 202-काडालाडी निर्वाचन-क्षेत्र से च्नाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री के. मारूथासामी, कारूकथी, केमबूथी पोस्ट, रामानाथापुरम तानुक, जिला रामानाथापुरम तिमलनाडू, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपंक्षित अपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा दारूल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीचवार ने, उसे सम्यक सूचना विये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है, और निर्वाचन अपयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पाग इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतष्व्यारा उक्त श्री के. मारूधासामी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चूने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित योषित करता है।

[सं. त. ना.-वि. स./202/80 (64)]

S.O. 813,—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. Maruthasamy, Karukathi, Kembuthi Post, Ramanathapuram Taluk, Ramanathapuram District, Tamil Nadu, a contesting candiadte for general Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 202-Kadaladi constituency, has failed to lodge an account of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. Maruthasamy to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/202/80(64)]

## नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1981.

का. आ. 814.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि. मई, 1980 में हुए तमिलनाडू विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 203-मडूफूलाथूर निर्वाचन-क्षेत्र से चनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ई. रामन, बाईकराएरी गांव, टी. पनावासल पोस्ट, रामानाथाएरम जिला, लोक प्रतिनिधित्व अभिनियम, 1951 तथा तदभीन बनाए गए नियमों ब्यारा अपेक्षित अपने नियमिन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये आने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौष्टित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अगूसरण में निर्वाधन आयोग एतद्द्वारा उक्त भी ई. रामन, को संगद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य जूने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीस से तीन धर्ष की कालाविध के लिए निरिहित घोषित करता है।

[सं. त. ना.-वि. स./203/80 (65)]

S.O. 814.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri E. Raman, Vaikarapuri, Village, T. Punavasal Post, Ramanathapuram District, a contesting candidate for General election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 203-Mudukulathur assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure, and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri E. Raman to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-IA/203/80(65)]

## नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1981

का. आ. 815.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए तमिलनाडू विधान सभा के लिए साधारण/निर्वाचन के लिए 209-राजापलायम (अ. जा.) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीव्यार श्री के. पारासन, 22/141, मंगापूरम स्ट्रीट, राजपलायम जिला, रामाराथापूरम (तमिलनाडू), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यत:, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्प्रका स्थना दियें जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई फ्रारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्माचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अवा, उक्त अधिनियम की धारः 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्व्यारा उक्त श्री के. पारामन, को संस्द के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीक से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिहाँत घोषित करता है।

[सं. त. ना.-वि. स./209<sup>/</sup>80 (68)]

New Delhi, the 11th February, 1981

S.O. 815.—Whereas the Election Commission is sa isflect that Shri K. Paraman, 22/141, Mangapuram Street, Rajapala-yam District, Ramanathapuram (Tamil Nadu), a contesting 1351 GI/80—2

candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 209 Rajapalayam (SC) Assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure, and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. Paraman to be disquaiffied for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/209/80(68)]

#### नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1981

का आ 816 — यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए तिमलनाडू विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 201-रामानाथापुरम निर्वाचन-क्षेत्र से ख्नाव लड़ने वाले उम्मीदगर श्री वाई. साहुल हमीद, एम. थी. एम. कम्पाउण्ड, रेलवे फीडर रोड़, रामानाथापुरम. एट मदुरई, तिमलनाडू, लोक प्रतिनिधिस्य अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अधवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयोग्न कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में, निर्वाचन आयोग एत्वृद्धारा उक्त श्री वाई. साहुल हमीद, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य गूने आने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिहाल घोषित करता है।

सिं. त. सा.-वि. स./201/80 (76)] आदेश से.

वी. कं. राव, अधर सचिव

### New Delhi, the 13th February, 1981

S.O. 816.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Y. Sahul Hameed, S.V.M. Compound, Railway Feeder Road, Ramanathapuram, at Madural, Tamil Nadu, a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 201-Ramanathapuram constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manner as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rul'es made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure, and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Y. Sahul Hameed to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parlament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/201/80(76)]

By Order,
V. K. RAO, Under Secy.

#### ठ:ाधेज

# नई दिल्ली, 12 फरबरी, 1981.

का. आ. 817.—य्सा:, नियचिन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधा-रण निर्वाचन के लिए 59 लुधियाना पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से च्याय लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमित ऊषावन्त कौर, 2266, बी-34, जोशी नगर, हाबोबाल कलां; लूधियाना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्भीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्वर तथा गीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दास्लिल करने में असफल रहे हैं;

और यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् भूषना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पर्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण मं निर्वाचन आयोग एतद्द्यारा उक्त श्रीमित ऊषादन्त कौर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए सिर-हिंग धोषित करता है।

\_सिं. प्जाब-कि. स./59/80 (56)1

#### ORDERS

New Delhi, the 12th Februay, 1981.

.S.O. 817.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Ushawant Kaur, 2266-B-34, Ioshi Nagar, Habowal Kalan, Ludhjana, a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 59-Ludhjana East constituency, has failed to lodge an account of her election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure, and the Flection Commission is satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

-Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shrimati Ushawant Kaur to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/59/80(56)]

# नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1981

का. आ. 818.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 65-नंगल निर्वाचन केश से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बनता राम, दुकान नं. 44, गुरू तंग बहादुर मार्किट, नंगल टाऊनशिप (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपंक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दास्तित करने में अम्फल रहे हैं;

और यत:, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस अरूफलता के लिए कोई कारण तथा स्पष्टोकरण महीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस अरूफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्या-रौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्यारा उक्त श्री बनता राम को संसद के किमी भी सदन के या किमी राज्य की विधान सभा अधवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने कि लिए इस आदेश की तारीस से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरिट्टिंत घोषित करता है।

[सं. पंजाब-बि. स./65/80 (57)]

आदश् सं

एस. मी भटनागर, अबर सचिव

New Delhi, the 18th February, 1981

SO. 818.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bunta Ram, Shop No. 44, Guru Teg Bahadur Market, Nangal Township (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 65-Nangal constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure, and the Plection Commission is satisfied that he has no good reason or justification fo, the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Banta Ram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/65/80(57)] By Order,

C. BHATNAGAR, Under Secv